प्रश्न-पेपर 15 ता. 5।1।87

लघुवृत्ति अध्याय-1 पाद 1-2 मार्क्स 50

प्र. 1 (अ) नीचेना पदवाला सूत्र मूलमात्र लखो। गमे ते 5 5 मार्क्स

(1) ओस् (2) आभाः (3) ऊदि

(4) ओति (5) इ उ (6) ऋण

(ब) नीचेना भाव बतावता सूत्रना अर्थ मात्र लखो। गमे ते - 5 5 मार्क्स

(1) उपसर्गस्य नो बाध करनार सूत्र (2) व्याप्ति फल दर्शक अन्तिमसूत्र

(3) 2 कार्य दर्शक सूत्र (4) स्वसंज्ञक दर्शक सूत्र

(5) पद निषेध दर्शक आन्तिम सूत्र (6) वाक्यसंज्ञा दर्शक

(क) नीचेना सूत्रोनी टीका लखो उदाहरण साहित। गमे ते - 5 7 मार्क्स

(1) तत्र ने अव्ययसंज्ञा करनार (2) प्रत्यय संज्ञा दर्शक

(3) विजातीय अने ह्रस्व ऋ करनार (4) वधु + इयम् प्रयोग करनार

(5) गवेश प्रयोग सिद्ध करनार (6) अवोष प्रयोगमां लोप करनार

प्र. 2 नीचेना प्रयोगोनो विग्रह करी अर्थ लखो। गमे ते - 8 8 मार्क्स

(1) अराजाय (2) परमदिवः (3) उच्चैस्तमाम्

(4) अर्द्धतृतीया (5) प्रैष्याणि (6) प्रर्कारीय

(7) गव्येवहि (8) चित्रग्वयौ (9) गोअग्रम् (10) गवीन्दौ

प्र. 3 (अ) नीचेना न्यायोनी सांगोपांग घटना करो। गमे ते 2 4 मार्क्स

(1) विशेषणमन्तः (2) उभयस्थान (3) एकानुबन्ध

(ब) नीचेना सूत्रो क्रमश लखो। गमे ते - 2 6 मार्क्स

(1) ऋलृति थी आरंभी वा पद सुधी

(2) औदन्ता " " घोषवान् " "

(3) न स्तं " " असत्वे " "

प्र. 4 नीचेना प्रश्नोना जवाब आपो। गमे ते - 8 15 मार्क्स

(1) सुपाम्, अन्तस्थाः तथा अनवर्णाः ब. व. शा माटे ? दृष्टान्त पूर्वक समजावो

(2) घुट् - अघोष तथा वर्ग त्रणे संज्ञामां आवी शके तेवा वर्णो लखो।

(3) अव्ययदर्शक मात्र सूत्र लखी तदन्त मां अन्त नुं ग्रहण शा माटे ?

(4) अ - इ् - र् - अः आ वर्णनी कइ कइ संज्ञा ?

(5) अव्ययदर्शक श्लोक लखी भ्रातृ + ऋषभ नी थती संधिओ सूत्र निर्देश पूर्वक लखो।

(6) बहु-गणं सूत्रमां भेद नुं ग्रहण शा माटे ? ते जणावी बन्ने पादना आन्तिम श्लोकनो अन्वय करी अर्थ लखो

(7) अइउ सूत्र क्यांन लागे ते सूत्रमात्र लखी अमुमुईये रूपनी साधनिका करी अर्थ लखो।

(8) लाव्यम् नो विग्रह लखी औयत रूप ओलखावो।

(७) गो + अम्बर नी थाती सान्धी जणावी इत् वाला विभक्तिना प्रत्ययो लखवो।

जवाब - प्र.१ (अ) (१) १।१।१४ (२) १।१।३३ (३) १।२।१५
(४) १।२।१७ (५) १।२।१५ (६) १।२।१७
(ब) (१) १।२।१५ (२) १।२।१४ (३) १।२।३७
(४) १।१।१७ (५) १।१।२५ (६) १।१।२६
(क) (१) १।१।३२ (२) १।१।३४ (३) १।२।५
(४) १।२।२२ (५) १।२।२७ (६) १।२।१७
प्र.२ (१) न थाय
प्र.३ (ब) (१) १।२।२ थी १।२।१०
(२) १।१।५ थी १।१।३
(३) १।२।२३ थी १।२।३।